<u>पालतू पशुओं एवं कुक्कुटों के उदीयमान रोगों के निदान एवं नियंत्रण पर वेटरनरी पेथौलोजी कांग्रेस-2023 का समापन</u>

आईसीएआर-आईवीआरआई, इज्जतनगर, बरेली में तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेटनरी पेथौलोजी कांग्रेस-2023 का आज समापन हुआ। इस कान्फ्रेस का आयोजन भारतीय पशु चिकित्सा विकृतिविज्ञानी संघ (आईएवीपी) तथा इंडियन कालेज ऑफ वेटनरी पेथोलोजिस्टस (आईसीवीपी) के संयुक्त तत्वाधान में हुआ। इस अवसर पर इंडियन एशोंसियन ऑफ वेटरनरी पैथोलोजिस्टस (आईएवीपी) का 40वाँ वार्षिक अधिवेशन, इंडियन कालेज ऑफ वेटरनरी पैथालोजिस्टस (आईसीवीपी) के 14वाँ वार्षिक अधिवेशन के साथ-साथ "एडवांसेस इन वेटरनरी पैथालोजी फार डायग्नोसिस एण्ड कण्ट्रोल ऑफ इमर्जिंग डिसेजेस आफ लाइवस्टाक एण्ड पोल्ट्री विषय पर एक राष्ट्रीस सिम्पोजियम का भी समापन हुआ जिसमें देश के विभिन्न भागों से पधारे 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उत्कृष्ट शोधकत्ताओं को पुरस्कृत भी किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त कार्यवाहक संयुक्त निदेशक डा. प्रभाकर द्विवेदी ने भारतीय विकृति विज्ञानियों के कार्य एवं उपलब्धियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने युवा शोधार्थियों के कार्य एवं शोध उपलब्धियों को भी सराहा। उन्होंने कहा कि सफलता का मूल मंत्र है-कठिन परिश्रम एवं निरन्तर कार्य करते रहना।

वेटनरी पैथालोजी कांग्रेस में बोलते हुए इसके अध्यक्ष एवं कुलपति, शेरे कश्मीर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय जम्मू के डा.बी.एन. त्रिपाठी ने पैथोलाजी कान्फ्रेस में प्रस्तुत शोधपत्रों एवं चर्चाओं पर संतोष प्रकट किया। उन्होंने यह भी कहा कि हमें शोध व्याख्यानों पर कुछ नोट लेने चाहिए तथा भविष्य में उनके आधार पर अपना शोघ कार्यक्रम बनाना चाहिए। डा. त्रिपाठी ने 41वीं वैटनरी कान्फ्रंेस जो कि नवम्बर 2024 में प्रस्तावित है, के लिए प्रतिभागियों को शेरे कश्मीर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू में आमंत्रित किया।

इंडियन कालेज ऑफ वेटनरी पैथोलोजिस्ट के अध्यक्ष डा. व्यास एम. सिंगटगेरी ने कहा कि अभी आईसीवीपी कार्यक्रम का समापन नहीं हुआ है तथा 23 दिसम्बर को एक कार्यशाला का आयोजन होगा जिसमें व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जायेगा ताकि युवा विकृति विज्ञानी अपने उत्तम भविष्य के लिए आईसीवीपी डिप्लोमेट परीक्षा पास कर सकें। आईसीवीपी के सचिव डा.आर.वी.एस. पवैया ने को केस प्रस्तुति प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किया तथा इन्हें विशिष्ट अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

आईएवीपी के सचिव डा. जी.ए. बालासुब्रमण्यम ने पैथोलोजी कान्फ्रेंस की पूर्ण रिपोर्ट को प्रस्तुत किया तथा बताया कि इसमें 250 शोध पत्र प्राप्त हुये थे जिनमें से 100 पोस्टर सत्र में प्रस्तुत किये गये। आगुन्तकों ने शोध पत्र की नवीन उपलब्धियों तथा पोस्टर प्रस्तुतियों की अत्यधिक प्रशंसा किया। उन्होंने आईएवीपी के लगभग 30 से अधिक पुरस्कार के परिणामों की घोषणा किया तथा विशिष्ट जनों विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस वर्ष की आईएवीपी फैलोशिप सेलेसीह, आईजोल, मिजोरम के डा. टी.के. राजखोआ को प्रदान की गयी।

इससे पूर्व स्वागत भाषण देते हुए आयोजन सचिव एवं संयुक्त-निदेशक कैडराड डा. के.पी. सिंह ने कहा कि पैथोलॉजी कान्फ्रेस के कार्यक्रम को सफल बताया तथा इसकी तकनीकी जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन डा. फिरदौस द्वारा किया गया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डा. एम. सामीनाथन द्वारा दिया गया।

VETERINARY PATHOLOGY CONGRESS-2023
National Symposium